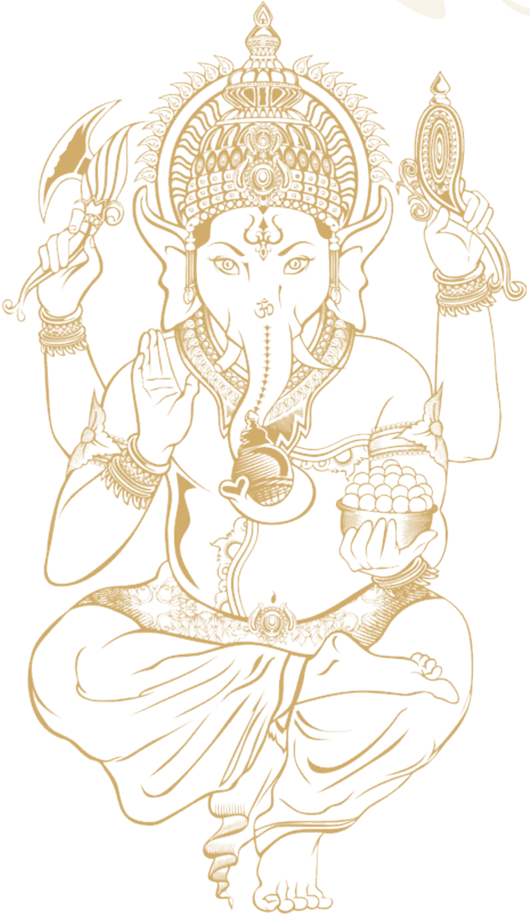

Mr.

27 Oct 2000

10:57 PM

Samastipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 118999802

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	: **27/10/2000**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	: **22:57:05 घंटे**
इष्ट	: 42:41:20 घटी
स्थान	: **Samastipur**
राज्य	: Bihar
देश	: India

अक्षांश	: 25:52:00 उत्तर
रेखांश	: 85:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: 00:13:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 23:10:13 घंटे
वेलान्तर	: 00:16:10 घंटे
साम्पातिक काल	: 01:35:44 घंटे
सूर्योदय	: 05:52:33 घंटे
सूर्यास्त	: 17:08:46 घंटे
दिनमान	: 11:16:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 10:44:06 तुला
लग्न के अंश	: 07:51:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	: **तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	: **स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	: राहु
योग	: प्रीति
करण	: किंस्तुघ्न
गण	: देव
योनि	: महिष
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: शूद्र
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: मध्य
हंसक	: वायु
जन्म नामाक्षर	: रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:51:25	311:16:49	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	---
सूर्य			तुला	10:44:06	00:59:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			तुला	15:33:46	13:09:28	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	01:35:28	00:37:09	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	16:05:12	01:12:40	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	16:03:56	00:05:24	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चिक	16:23:59	01:12:39	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि	व		वृष	05:23:47	00:04:12	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	24:34:29	00:12:00	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	24:34:29	00:12:00	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष			मक	23:01:55	00:00:03	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	09:58:05	00:00:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चिक	17:29:03	00:01:57	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			मेष	01:56:46	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:49

लग्न-चलित

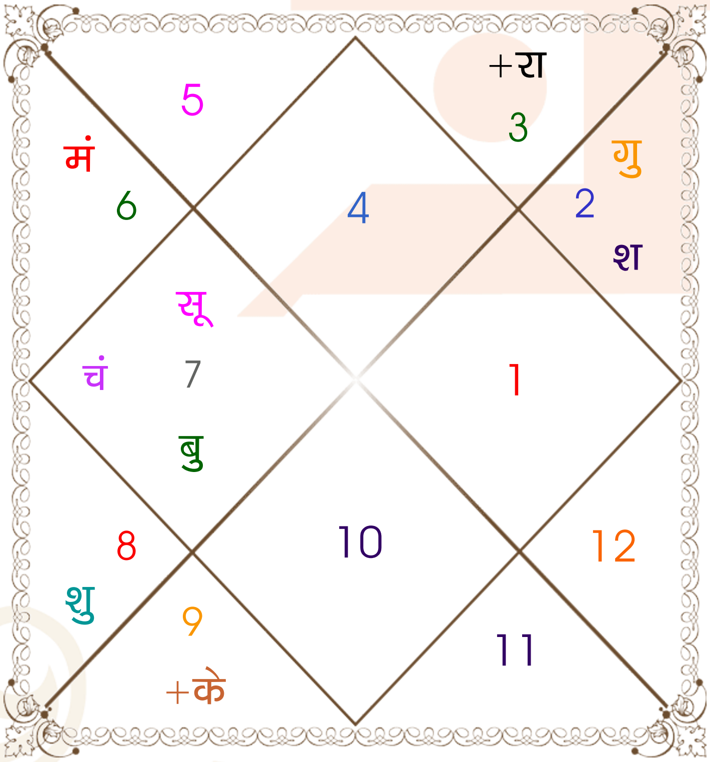

चन्द्र कुंडली

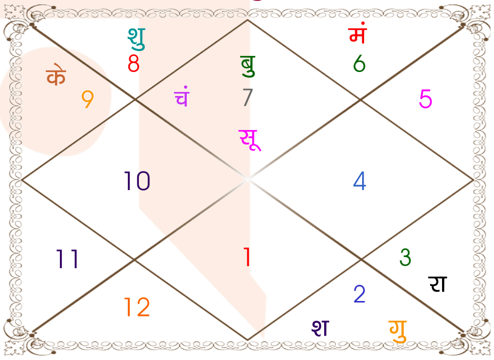

नवमांश कुंडली

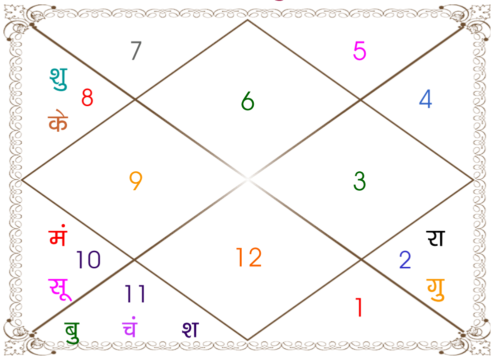

मां कंकालिनी ज्योतिष केन्द्र
Bhardah -1 saptari
9816715152
maakankalinijyotishkendra123@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 11 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/10/2000		24/10/2006		24/10/2022		24/10/2041		24/10/2058	
24/10/2006		24/10/2022		24/10/2041		24/10/2058		24/10/2065	
	00/00/0000	गुरु	12/12/2008	शनि	27/10/2025	बुध	22/03/2044	केतु	23/03/2059
	00/00/0000	शनि	25/06/2011	बुध	06/07/2028	केतु	19/03/2045	शुक्र	22/05/2060
	00/00/0000	बुध	30/09/2013	केतु	15/08/2029	शुक्र	18/01/2048	सूर्य	27/09/2060
	00/00/0000	केतु	06/09/2014	शुक्र	15/10/2032	सूर्य	23/11/2048	चंद्र	28/04/2061
	27/10/2000	शुक्र	07/05/2017	सूर्य	27/09/2033	चंद्र	25/04/2050	मंगल	24/09/2061
शुक्र	13/05/2003	सूर्य	23/02/2018	चंद्र	28/04/2035	मंगल	22/04/2051	राहु	12/10/2062
सूर्य	06/04/2004	चंद्र	25/06/2019	मंगल	06/06/2036	राहु	08/11/2053	गुरु	18/09/2063
चंद्र	06/10/2005	मंगल	31/05/2020	राहु	13/04/2039	गुरु	14/02/2056	शनि	27/10/2064
मंगल	24/10/2006	राहु	24/10/2022	गुरु	24/10/2041	शनि	24/10/2058	बुध	24/10/2065

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
24/10/2065		24/10/2085		25/10/2091		25/10/2101		25/10/2108	
24/10/2085		25/10/2091		25/10/2101		25/10/2108		00/00/0000	
शुक्र	23/02/2069	सूर्य	11/02/2086	चंद्र	24/08/2092	मंगल	23/03/2102	राहु	08/07/2111
सूर्य	23/02/2070	चंद्र	12/08/2086	मंगल	25/03/2093	राहु	11/04/2103	गुरु	01/12/2113
चंद्र	25/10/2071	मंगल	18/12/2086	राहु	24/09/2094	गुरु	17/03/2104	शनि	07/10/2116
मंगल	24/12/2072	राहु	12/11/2087	गुरु	24/01/2096	शनि	26/04/2105	बुध	26/04/2119
राहु	25/12/2075	गुरु	30/08/2088	शनि	24/08/2097	बुध	23/04/2106	केतु	14/05/2120
गुरु	25/08/2078	शनि	12/08/2089	बुध	24/01/2099	केतु	19/09/2106	शुक्र	28/10/2120
शनि	24/10/2081	बुध	19/06/2090	केतु	25/08/2099	शुक्र	19/11/2107		00/00/0000
बुध	24/08/2084	केतु	24/10/2090	शुक्र	26/04/2101	सूर्य	26/03/2108		00/00/0000
केतु	24/10/2085	शुक्र	25/10/2091	सूर्य	25/10/2101	चंद्र	25/10/2108		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 0 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरुद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।